[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 683 **G**

Unique Paper Code : 2273102001

Name of the Paper : Economic History of India

Name of the Course : **B.A. (H) Economics DSE (UGCF)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. "The debate on deindustrialization in nineteenth century India needs to be broadened both in terms of issues covered and the temporal scope". Comment.

"उन्नीसवीं सदी के भारत में विऔद्योगीकरण पर बहस को इसमें शामिल मुद्दों और इसके अस्थायी दायरे, दोनों के संदर्भ में व्यापक बनाने की जरूरत है।" टिप्पणी करें।

2. "In spite of the fact that skill and knowledge possessed by the Indian artisans and merchants were far closer to those of their counterparts in Europe in the early nineteenth century, Indian artisans and merchants did not grow because of lack of state support." How far do you agree with this statement? Explain.

"बावजूद इस तथ्य के कि उन्नीसवीं शताब्दी के आरंभ में भारतीय कारीगरों तथा व्यापारियों का कौशल एवं ज्ञान यूरोपीय कारीगरों तथा व्यापारियों के समकक्ष था, भारतीय कारीगर तथा व्यापारी राज्य समर्थन की कमी के कारण विकसित नहीं हुए।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? व्याख्या करें।

3. What were the main causes of the rapid increase in the Indian population after 1921? Do you agree with Sumit Guha's contention that stable weather had an important role to play in it? Explain.

1921 के बाद भारतीय जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के मुख्य कारण क्या थे? क्या आप सुमित गुहा के इस तर्क से सहमत हैं कि मौसम स्थिरता की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका थी? विस्तार सहित व्याख्या करें।

4. "Famine policy in British India was constrained not by the lack of infrastructure, but by the notion of what the country can bear." Discuss.

"ब्रिटिश भारत में अकाल नीति बुनियादी ढांचे की कमी से नहीं, बल्कि देश की सहनशक्ति के कारणवश विवश थी।" विवेचना करें।

5. Examine the pattern of development of Railways in India. In what way did it affect the growth of the modern sector in the country?

भारत में रेल-मार्ग विकास के स्वरूप को समझायें। इसने देश में आधुनिक क्षेत्र के विकास को किस प्रकार प्रभावित किया?

6. Discuss the impact of commercialization of Indian agriculture, particularly in the period of opening up of agriculture to international trade.

भारतीय कृषि पर व्यावसायीकरण का क्या प्रभाव पड़ा? जब कृषि जगत को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए खोला गया उस समय कृषि पर पड़ने वाले प्रभावों की विशेषत: व्याख्या करें।

7. What were the fundamental factors inhibiting a major industrial transformation in India in the colonial period? Discuss with reference to the different views on this subject.

औपनिवेशिक काल में भारत में बड़े स्तर पर औद्योगिक परिवर्तन को रोकने वाले मूलभूत कारक क्या थे? इस विषय पर विभिन्न विचारों की चर्चा करें।

8. Critically examine Washbrook's contention that - the East India Company government in India, followed very regressive economic strategies that hurt the Indian economy and also failed to provide any benefits to British (and Indian) business interests. And yet, the British parliament did not deem it necessary to stop the EIC, for quite rational reasons.

वाशब्रुक के इस कथन की आलोचनात्मक व्याख्या करें कि - भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने ऐसी प्रतिगामी आर्थिक रणनीतियों का पालन किया, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को हानि पहुँचाई तथा जो ब्रिटिश (तथा भारतीय व्यापारियों) के व्यापार हितों को लाभ पहुँचाने में भी विफल रही फिर भी ब्रिटिश संसद ने ईस्ट इंडिया कंपनी को रोकना आवश्यक नहीं समझा जिसके लिए उसके पास पर्याप्त तर्कसंगत कारण थे।